आइआइएम में चिंतन शिविर 2.0 : सीएम समेत सभी मंत्री हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव बोले- सरकार को नई दिशा देता है चिंतन शिविर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को कहा कि चिंतन शिविर जैसे आयोजन सरकार को नई दिशा और ऊर्जा देते हैं। 'चिंतन शिविर 2.0' जैसे प्रशिक्षण सत्र शासन को नया दृष्टिकोण और नीति निर्माण प्रक्रिया को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से मंत्रियों को सुशासन और परिवर्तनकारी नेतृत्व के महत्वपूर्ण गुर सीखने का अवसर मिलता है। वे इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (आइआइएम) रायपुर में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव व विजय शर्मा, वित्त ओपी चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े समेत अन्य मंत्री मौजूद रहे।

इस सत्र में परिवर्तनकारी नेतृत्व, दूरदर्शी शासन, संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विशेषज्ञ वक्ताओं के विचारों को

आइआइएम में रविवार को आयोजित चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े। • एक्स पोस्ट

अत्यंत प्रेरणादायक और नीति-निर्माण के लिए उपयोगी बताया। राज्य के मंत्रियों ने विद्यार्थी के रूप में सुशासन और नेतृत्व की बारीकियां सीखी। इस मौके पर आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने 'परिवर्तनकारी नेतृत्व एवं दूरदर्शी शासन' विषय पर अपने व्याख्यान में भागवत गीता के श्लोकों के माध्यम से निष्काम कर्म और नैतिक प्रशासन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कार्य केवल फल की आशा से नहीं, बल्कि उसके सही होने के कारण किया जाना चाहिए। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डा. विनय सहस्त्रबुद्धे ने 'संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की एकता केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भी है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या संसाधनों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से संभव है। उन्होंने अंत्योदय के महत्व पर बल देते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सुशासन की प्राथमिकता बताया। आइआइएम अहमदाबाद के प्रोफेसर डा. रविंद्र ढोलकिया ने 'सब्सिडी से सततता : विकास के लिए सार्वजनिक वित्त पर पुनर्विचार' विषय पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने वित्तीय प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संसाधन जुटाने जरूरी कदम जैसे विषयों पर जानकारी दी।

संबंधित खबर >> इनसाइड पेज

Naidunia, 09.06.2025. p.01